5 मिनट में 5 स्वरूपों की रूहानी ड्रिल

अनादि निराकारी स्वरूप :- मैं शान्त स्वरूप आत्मा, चमकती हुई ज्योति परमधाम निवासी हूँ....., शिवबाबा के साथ कम्बाइंड हूँ....., यही मेरा असली घर है....., मैं यहां सम्पूर्ण विश्राम का अनुभव कर रही हूँ...., चारों ओर शान्ति ही शान्ति है....., मैं एक लाईट हूँ ....., एक माईट हूँ....., मुझ आत्मा से रंग बिरंगी सर्वशक्तियों की किरणें फैल रही हैं....., मैं बाप समान मास्टर सर्वशक्तिवान बन विश्व की आत्माओं को सर्व शक्तियों की किरणें दे रही हूँ.....।

आदि देवता स्वरूप :- मैं सुख स्वरूप, सम्पूर्ण निर्विकारी आत्मा अपने देवता स्वरूप में स्थित हूँ....., मेरा यह देवता स्वरूप कितना सुन्दर व श्रृंगारित है....., जहां सम्पूर्ण पवित्रता, सुख-शान्ति व सम्पत्ति है..... मैं विश्व राज्याधिकारी के सिहांसन पर विराजमान हूँ....., प्रकृति भी अपनी सम्पूर्ण सतोप्रधान अवस्था में है...., चारों ओर सभी सम्पूर्ण सुख की प्रालब्ध का अनुभव कर रहे हैं.....।

पूज्य ईष्टदेव,ईष्टदेवी स्वरूप :- मैं पवित्र आत्मा अपने पूज्य स्वरूप में मंदिर में विराजमान हूँ....., भक्तजन मेरा गायन पूजन कर रहे हैं....., मेरी महिमा में कीर्तन कर रहे हैं, गुणगान कर रहे हैं..... मूर्ति का हार व फूलों से श्रृंगार कर रहे हैं....., अपने को दुःखों से मुक्त कराने के लिए प्रार्थना कर रहे हैं....., मेरी पूज्य मूर्ति से, नयनों से, वरदानी हस्तों से निकल रहे पवित्र वायब्रेशन की सकाश भक्तों की शुभ मनोकामनाओं को पूर्ण कर रही है....., भक्तों को मूर्ति द्वारा ईष्ट देव-देवी स्वरूप का साक्षात्कार हो रहा है.....।

ब्राह्मण स्वरूप :- स्वयं शिवबाबा ने ब्रह्मा द्वारा संगम पर मुझे यह श्रेष्ठ ब्राह्मण जन्म दिया है....., मैं ब्रह्मामुख वंशावली सर्वश्रेष्ठ ब्राह्मण कुलभूषण हूँ...., मैं ज्ञान स्वरूप आत्मा राजयोगी तपस्वी स्वरूप में स्थित हूँ....., मैं पदमापदम भाग्यशाली आत्मा हूँ....., मेरा यह ब्राह्मण जन्म देवताओं से भी श्रेष्ठ है....., मैं परमात्म पालना, में पल रही हूँ, परमात्म पढ़ाई से मैं भविष्य 21 जन्मों के लिए विश्व का राज्य भाग्य अधिकारी बन रही हूँ....., वाह रे मैं....., वाह मेरा इतना ऊंचा भाग्य....., वाह मेरा मीठा बाबा....., वाह ड्रामा....., वाह अलौकिक परिवार वाह.....।

फरिश्ता स्वरूप :- मैं परम पवित्र विश्वकल्याणकारी फरिश्ता आनदं स्वरूप में स्थित हूँ ....., डबल लाईट हूँ, (आत्मा भी लाईट और शरीर भी लाईट)...., मेरे चारों ओर पवित्रता की लाईट माईट फैल रही है...., मैं फरिश्ता विश्व ग्लोब पर बैठ पांचों तत्वों सहित सारे संसार को पवित्रता के बायब्रेशन दे रहा हूँ....., सर्व आत्माएं पवित्रता, सुख, शान्ति का अनुभव कर रही हैं.....।

ओम शान्ति